रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतपाल महाराज): (क) राज्यवार आंकड़े नहीं रखे जाते हैं बहरहाल 1996 के दौरान जारी किए गए मानार्थ कार्ड पास निम्नानुसार हैं:—

क्र० सं०	श्रेणी	जोड़	श्रेणी		
			प्र०वा०कू०	प्र०/द्वि०वा०कू०	द्वितीय श्रेणी
1.	रेल मंत्री के विवेक पर व्यक्तिगत और संगठनों को	423	3	415	5
2.	भूतपूर्व रेल मंत्री/रेल राज्य मंत्री/उप रेल मंत्री	12	12	—	—
3.	भूतपूर्व संसद सदस्य	1620	कोई नहीं	1620	कोई नहीं
4.	अर्जुन पुरस्कार विजेता/ओलंपिक पदक विजेता/एशिया और राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक विजेता	318	कोई नहीं	318	कोई नहीं
5.	वीरता पुरस्कार (रक्षा)	352	कोई नहीं	352	कोई नहीं
6.	वीरता पुरस्कार (पुलिस)	176	कोई नहीं	176	कोई नहीं
7.	भारत के राष्ट्रीय खेल संघ के अध्यक्ष/सचिव	41	कोई नहीं	41	कोई नहीं
		2942	15	2922	05

(ख) उपर्युक्त मद (1) के लिए पास की वैद्यता साधारणतः एक वर्ष के लिए होती है। जबकि भूतपूर्व रेल मंत्रियों को जारी किए गए पास आजीवन के लिए वैद्य होते हैं, भूतपूर्व संसद सदस्यों को जारी किए गए पासों की वैद्यता प्रारंभ में 6 वर्ष के लिए होती है इसके पश्चात् उनका नवीकरण कराया जाता है। अन्य श्रेणियों में जारी किए गए पासों से संबंध में वैद्यता प्रारंभ में एक वर्ष के लिए होती है, तत्पश्चात् इनका प्रत्येक वर्ष नवीकरण कराया जाता है।

(ग) उपरोक्त श्रेणी (1) के संबंध में मानार्थ कार्ड पास रेल मंत्री के स्व-विवेक पर सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक तथा राष्ट्रीय महत्व की समाज कल्याण गतिविधियों में लगे प्रतिष्ठित व्यक्तियों एवं संगठनों को जारी किए जाते हैं। अन्य श्रेणियां स्वतः स्पष्ट हैं।

रेलवे प्लेटफार्मों पर बुक स्टॉलों का आवंटन

3006. श्री राघव जीः क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) 31 दिसंबर, 1996 तक ए० एच० व्हीलर कंपनी को देश भर में रेलवे प्लेटफार्मों पर कुल कितने बुक स्टॉल लगाने का कार्य सौंपा गया था;

(ख) एक ही कंपनी को इतने अधिक स्थानों पर बुक स्टॉल आवंटित करने के क्या कारण हैं; और

(ग) क्या सरकार के पास केवल स्थानीय लोगों और शिक्षित बेरोजगारों को ही प्राथमिकता के आधार पर बुक स्टॉल आवंटित करने की कोई योजना है?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतपाल महाराज): (क) और (ख) मैसर्स ए० एच० व्हीलर्स एंड कम्पनी द्वारा चलाए जा रहे बुक स्टालों की कुल संख्या 374 है। ये स्टाल 100 वर्षों से अधिक अवधि के लिए आबंटित किए गए थे।

(ग) वर्तमान नीति के अनुसार नए बुक स्टालों का आवंटन बेरोजगार स्नातकों, उनके साझेदारी में, यथार्थ कार्यकर्ताओं/वेंडरो की ऐसोसिएशनों और सहकारी समितियों के लिए आरक्षित होता है।

Progress of gauge conversion Ajmer-Mehsana rail line

3007. SHRI RAJUBHAI A. PARMAR: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the progress made in the work of conversion of Ajmer-Mehsana line from

metre gauge into broad gauge indicating the expenditure so far incurred, the total estimated cost and the time by which the project is likely to be completed;

(b) whether it is a fact that in the process as many as ten passenger trains, including mail and express trains in this sector, have been cancelled, creating a bottleneck for the passengers commuting between Delhi and Ahmedabad, with only one super fast train running between Delhi and Ahmedabad only three days in a week; and

(c) whether Government on public demand or otherwise have considered the question of running Delhi-Ahmedabad Superfast train on daily basis; if so, the decision taken in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) Details are given as under:

Name of the project	Progress so far	Expenditure incurred upto Feb97	Total estimated Cost
Conversion of Ajmer-Mehsana line from MG to BG (423 km)	Completed	Rs. 290 cr.	Rs. 377 cr.

(b) and (c) Due to the on-going gauge conversion works on Mehsana-Ajmer section through train services between Ahmedabad and Delhi via Ajmer-Jaipur have been cancelled in addition to other passengers trains on the sections enroute.

At present, 2473/2474 Ahmedabad-Jammu Tawi Sarvodaya Express (weekly), 2474/2476 Rajkot-Jammu Tawi Express (weekly), 2477/2478 Happa - Jammu Tawi Express (weekly) and 883/884 Nizamuddin - Ahmadabad Holiday Special train (tri-weekly) are available between Ahmedabad and New Delhi/Nizamuddin.

On completion of Guage Conversion works, Broad Gauge express train services including superfast and weekly Rajdhani Express will be introduced between Delhi/New Delhi and Ajmer during 1997-98.

Derailments in Khurda Division

3008. SHRI SANATAN BISI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether there were 15 derailments of trains within a period of 35 days from January 13 to February 27, 1997, in Khurda Division on South-Eastern Railways; and

(b) the remedial action taken, to avoid such derailments of trains?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) No, Sir.

(b) Some of the steps taken to bring down the incidence of derailments on Indian Railways are as under:—

1. Track structure is being strengthened by using 60 kg rails on concrete sleepers. All rails are being converted into long welded rail panels by welding and removing fish-plated joints. Fan-shaped turn-outs and switches are being introduced.
2. Track is being maintained progressively by tie tamping and ballast cleaning machines. Track is also now being laid with track renewal trains.
3. For monitoring of track geometry and running characteristics of track, sophisticated track recording cars, oscillograph cars and portable accelerometres are being progressively used.
4. For detection of hidden flaws in the rails not visible to the naked eye, ultrasonic flaw detectors are